भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
केन्द्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

30.7.2014

गाजा में इजराइली हमला और फिलिस्तीनी जनता का कत्ले-आम का निंदा करें!
आजाद फिलिस्तीन के लिए चल रहे राष्ट्रीय मुक्ति संघर्ष का समर्थन करें!!

इजराइल ने गाजा पट्टी पर आक्रामक हमला कर ज्यादातर बच्चों और महिलाओं सहित अब तक 1200 से भी अधिक जनता का कत्ल किया है। इजराइल की इस बर्बरतापूर्ण हमला को भाकपा(माओवादी) की केन्द्रीय कमेटी निंदा करती है। गाजा पर अमानवीय आर्थिक नाकेबंदी और इजराइल की सैनिक हमलों को तुरंत बंद करने की हम मांग करते हैं। अनगिनत कुर्बानियों से आगे बढ़ रहे फिलिस्तीनी प्रतिरोध को हम अभिनन्दन करते हैं।

सभी फिलिस्तीनी भू-भागों को जोड़कर एक राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए हमास और अल-फतह संस्थाओं के बीच हुए समझौते को नाकाम करने के लिए इजराइल ने यह हमला किया है। साथ ही, अरब देशों के बीच में पनप रहे दरारों का इजराइल फायदा उठाना चाहता है, जो खासकर सीरिया और इराक में शीया-सुन्नी के बीच संघर्ष के बाद बढ़ गया है। पश्चिम एशिया में अमेरिकी साम्राज्यवाद का मुख्य एजेंट होने के नाते इजराइल को अमेरिकी और यूरोपीय साम्राज्यवादी ताकतों का समर्थन मिल रहा हैं।

संसद में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने बेशर्मी से घोषणा किया कि फिलिस्तीन की संघर्ष को समर्थन देते हुए भारत सरकार इजराइल से भी अपने रिश्ते मजबूत करते रहेंगे। इस बयान का मतलब है इजराइली हमले का खुला समर्थन और फिलिस्तीनी जनता की लड़ाई से गद्दारी। भारत के शासक वर्ग और खासकर इसके ब्राह्मणवादी हिन्दू-फासीवादी गुट जिसका भाजपा प्रतिनिधित्व करती है, इजराइल की विस्तारवादी, अंधराष्ट्रवादी और मुसलमानविरोधी नीति से अपने आपको काफी करीब महसूस करती है। इजराइल के साथ भारत ने करीबी रिश्ता कायम किया है और उससे सबसे ज्यादा मिलिटरी उपकरण आयात करनेवाली देश बन गयी है। 'इस्लामिक आतंकवाद' और माओवादी आन्दोलन को कुचलने के लिए भारत और इजराइल संयुक्त मिलिटरी अभ्यास कर रहे हैं, इजराइल भारत की फौज और पुलिस को प्रशिक्षित कर रही है और खुफिया जानकारी इकट्ठा करने में नियमित मदत दे रही है। इजराइल की हमलों को निंदा करने में भाजपा सरकार की असहमति को के बारे में कांग्रेस पार्टी अब जोरशोर से विरोध कर रही है। लेकिन कांग्रेस शासन के समय ही भारत ने इजराइल के साथ आर्थिक और कूटनीतिक सम्बन्ध स्थापित किये थे।

सभी क्रान्तिकारी और जनवादी संगठनों, उत्पीड़ित राष्ट्रीयताओं, मुसलमानों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों, देश के सभी राजनीतिक पार्टियों के अमन चाहने वाले जनता को फिलिस्तीनी आन्दोलन के पक्ष में खड़ा होना चाहिए और इजराइल के प्रति भारत सरकार की सकारात्मक रवैया का घोर विरोध करना चाहिए। हमारी पार्टी सभी देशों के माओवादी ताकतों, साम्राज्यवाद-विरोधी संगठनों, राष्ट्रीय मुक्ति संगठनो तथा दुनिया के अमन और आजादीपसंद जनता को आह्वान करती है कि वे एकजुट होकर इजराइल की आक्रामक युद्ध का विरोध करें और फिलिस्तीन की संघर्षरत जनता का साथ दें।

Abhay

(अभय)

प्रवक्ता, केन्द्रीय कमेटी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)